दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, मंगलवार 18 मई 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 227

महत्वपूर्ण एवं खास

वृद्धजनों के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन एल्डरलाइन 14567 कई राज्यों में शुरू

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोविड महामारी के दौरानवृद्धजनों की समस्याओं को दूर करने के लिए, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने एल्डरलाइनयोजना के तहत प्रमुख राज्यों में राज्यवार कॉल सेंटर शुरू किए हैं। यह सुविधा 5 राज्यों जैसेउत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु और कर्नाटक में पहले से ही चालू है।तेलंगाना में, यह सुविधा एक साल से अधिक समय से काम कर रही है। मई, 2021 के अंत तक सभी राज्यों में इस सेवा को शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। इन कॉल सेंटरों पर टोल फ्री नंबर 14567 के जरिए संपर्क किया जा सकता है। सभी वृद्धजनों को इस सुविधा का उपयोग करने की सलाह दी जा सकती है। एल्डरलाइनटाटा ट्रस्ट और एनएसईफाउंडेशन की सहायता से संचालित एक सुविधा है।

राज्यों के पास मौजूद है वैक्सीन की दो करोड़ से ज्यादा खुराकें : केंद्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास इस समय कोविड-19 टीकों की दो करोड़ से अधिक खुराक उपलब्ध हैं, वहीं उन्हें करीब तीन लाख खुराक अगले तीन दिन में मिल जाएंगी। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र ने अभी तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को टीकों की 20 करोड़ से ज्यादा (20,76,10,230) खुराक निःशुल्क मुहैया कराई हैं। इनमें से 16 मई तक के औसत आंकड़ों के आधार पर कुल खपत 18,71,13,705 खुराकों की हुई है जिनमें बेकार जाने वाले टीके भी शामिल हैं। यह संख्या सोमवार सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों पर आधारित है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास लोगों को लगाने के लिए कोविड-19 टीकों की अभी दो करोड़ से अधिक (2,04,96,525) खुराक उपलब्ध हैं। उसने बताया कि इनके अलावा राज्यों को अगले तीन दिन के भीतर 2,94,660 खुराक और मिल जाएंगी।

एफआईआर रद्द कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

❍ **पीएम के खिलाफ पोस्टर का मामला**

नई दिल्ली (आरएनएस)। टीकाकरण नीति को लेकर प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करने वाले पोस्टरों का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शीर्ष कोर्ट में एक रिट याचिका दायर कर इस मामले में दिल्ली के अलग-अलग पुलिस थानों में दर्ज एफआईआर निरस्त करने की मांग की गई है। दरअसल दिल्ली में लगाए गए इन पोस्टरों के जरिए टीकाकरण नीति को लेकर सवाल उठाए गए थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी यह पोस्टर ट्वीट कर गिरफ्तार करने की चुनौती दी थी। वकील प्रदीप कुमार यादव द्वारा दायर की गई इस याचिका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हुए इस संबंध में दायर एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई है। ऐसे पोस्टर लगाने को लेकर करीब दो दर्जन लोगों के खिलाफ दिल्ली के अलग-अलग थानों में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेशों का हवाला देते हुए कहा गया है कि इस मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना अभिव्यक्ति के स्वतंत्रता अधिकारी के विपरीत है।

मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र में सोमवार को तलाश एवं घेराबंदी अभियान के दौरान मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो आंतवादियों को मार गिराया। श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र खानमोह में आतंकवादियों की उपस्थिति की खुफिया सूचना मिलने पर राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने आज तड़के संयुक्त रूप से घेराबंदी तथा तलाश अभियान शुरू किया। प्रवक्ता ने बताया कि क्षेत्र से जुड़ी सभी सड़कों और निकास बिंदुओं को बंद कर दिया गया है। अभियान के दौरान जब सुरक्षा बल के जवान एक विशेष क्षेत्र की तरफ जा रहे थे,तब मुठभेड़ शुरू हो गई।

कोरोना के दैनिक मामलों में भारी गिरावट... 2.81 लाख से अधिक नए मरीज, 4106 की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में तेजी के साथ कोरोना संक्रमण का कहर के प्रकोप में अचानक कमी होती नजर आई। यानि पिछले 26 दिनों बाद कोरोना संक्रमण के मामले तीन लाख से नीचे दर्ज किये गये। पिछले 24 घंटे में 2.81 लाख लाख से अधिक नए कोरोना मरीज मिले हैं। वहीं इस दौरान 4,106 लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज यह जानकारी देते हुए कहा कि 26 दिन बाद पहली बार आज तीन लाख से कम कोरोना के नए मरीज सामने आये। इससे पहले 20 अप्रैल को कोरोना के 2.94 लाख नए मरीज मिले थे, जिसके बाद दैनिक मरीजों के तीन लाख से ऊपर ही मामले आए और चार लाख के पार भी पहुंचे। दूसरी तरफ चिंताजनक बात यह है कि कोरोना से संक्रमितों की मौता

सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा और मौतों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें पिछले 24 घंटे में 4,106 मरीजों की मौत दर्ज की गई। पिछले करीब एक हफ्ते से हरेक दिन 4 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में 2,81,386 नए कोरोना मरीज मिले हैं। इस प्रकार अब देश में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 2,49,65,463 हो गई है। जबकि पिछले 24 घंटों में 4,106 लोगों की मौत होने के बाद देश में अब तक कोरोना से मरने वालों की संख्या 2,74,390 पहुंच गई है। राष्ट्रीय मृत्यु दर 1.10 प्रतिशत है।

❍ **सक्रिय मामलों में भी कमी-** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को जानकारी दी कि 24 घंटे में 1,01,461 सक्रीय मरीजों के कम होने के बाद देश में अस्पतालों में इलाज करा रहे मरीजों की संख्या घटकर 35,16,997 हो गई है। सक्रिय मामलों में भी मामूली कमी आई है। मसलन अब देश में सक्रिय मामले बढ़कर 35,16,997 पहुंच गए हैं, जो संक्रमण के कुल मामलों का 14.9 प्रतिशत है।

❍ **कोरोना को मात देने वालों में इजाफा-** स्वास्थ्य मंत्रालय के के मुताबिक देश में यह भी राहतभरी खबर है कि पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 3,78,741 कोरोना मरीज स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए हैं। इस प्रकार देश में अब तक 2,11,74,076 मरीज कोरोना वायरस को मात देने में कामयाब हुए हैं। रोजाना के आधार पर दर्ज होने वाले नए कोरोना केसों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या अधिक हो गई है। कोरोना से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर में सुधार हुआ है और यह 84.81 प्रतिशत है।

❍ **किस रफ्तार से बढे मामले-** देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्तूबर को 70 लाख, 29 अक्तूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख रहे और 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार चले गए थे और चार मई को दो करोड़ के पार चले गए।

❍ **दस राज्यों में 75 फीसदी से ज्यादा सक्रीय मरीज-** मंत्रालय ने कहा कि बीते 24 घंटे में सामने आए मामलों में से 75.95 फीसदी मामले महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के हैं। जबकि कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात और छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा सक्रीय मामले हैं। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 34,389 नए मामले रिपोर्ट हुए हैं, जिसके बाद तमिलनाडु में 33,181 मरीज मिले हैं।

❍ **अब तक इतने नमूनों की हुई जांच-** भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में अभी तक कुल 31,64,23,658 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है। इनमें से 15,73,515 नमूनों की जांच रविवार को की गई। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक, देश में कोविड रोधी टीके की करीब 18.30 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। मंत्रालय ने कहा कि कुल मिलाकर 11,058 ऑक्सीजन सांद्रक, 13,496 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र, 7365 वेंटिलेटर/बीआई पीएपी और रेमडेसिविर की करीब 5.3 लाख शीशियां राज्यों को भेजी गई हैं।

विधानसभा चुनावों के बाद खाली हुई राज्य सभा की 4 सीटें

नई दिल्ली (आरएनएस)। हाल ही में संपन्न हुए चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेशों के विधानसभा चुनावों के बाद राज्य सभा की चार सीटें खाली हुई हैं। ये सभी चारों सांसद विधानसभा के जरिए राज्य सभा तक पहुंचे थे। आपको बता दें कि इनमें से कुछ सदस्य अपने-अपने राज्यों में मंत्री के रूप में भी काम करेंगे।

2017 में राज्यसभा के लिए चुने गए तृणमूल कांग्रेस के सांसद डॉ मानस भुइयां ने विधानसभा चुनाव लड़ा था और अब वह राज्य के जल संसाधन जांच और विकास मंत्री हैं। इसी तरह, अन्नाद्रमुक के आर. वैथिलिंगम, जो 2022 में राज्य सभा से रिटायर होने वाले थे, ने ओरथानाडु निर्वाचन क्षेत्र से जीतने के बाद संसद से इस्तीफा दे दिया। वह तमिलनाडु विधानसभा की विपक्षी बेंच में हैं। उनकी पार्टी के सहयोगी केपी मुनुसामी ने भी तमिलनाडु विधानसभा के सदस्य बनने के लिए संसद से इस्तीफा दे दिया। मुनुसामी ने वेप्पनहल्ली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीता है। एक अन्य राज्यसभा सांसद, असम से बिस्वजीत दैमारी ने उच्च सदन छोड़ दिया। राज्य के कुछ अधिकारियों के अनुसार, भाजपा विधायक के राज्य विधानसभा के अगले अध्यक्ष होने की संभावना है। इनके अलावा तारकेश्वर सीट से बंगाल चुनाव लड़ने से पहले मनोनीत सांसद स्वप्न दासगुप्ता ने सदन से इस्तीफा दे दिया था। प्रक्रिया के अनुसार राज्यसभा में इन रिक्तियों को भरने के लिए उपचुनाव होंगे। जबकि तृणमूल और भाजपा अपने सांसदों द्वारा खाली की गई सीटों को बरकरार रखने में सक्षम होंगे।

देश में लॉंच हुई डीआरडीओ की 2-डीजी दवाई, पानी में घोलकर पी जाएगी

» राजनाथ और हर्षवर्धन ने की जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में जारी कोरोना के कहर को रोकने के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बीच डीआरडीओ द्वारा इजाद की गई दवाई 2-डीजी को सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन ने लॉंच की है।

कोरोना वायरस के खिलाफ भारत की जारी लड़ाई के बीच आज कोरोना महामारी से जंग में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास

संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित कोरोना की दवा 2-डीजी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने डीआरडीओ के मुख्यालय में सोमवार लॉन्च की। गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने डीआरडीओ के मुख्यालय में सोमवार यानी आज सुबह 10.30 बजे कोरोना की देसी दवा की पहली खेप लॉन्च की। अब इन्हें मरीजों को दिया जा सकता है। इस दवा को सबसे पहले दिल्ली के डीआरडीओ कोविड अस्पताल में भर्ती मरीजों को दिया जाएगा।

❍ **कैसे होगा दवा का इस्तेमाल-** कोरोना के खिलाफ जंग में डीआरडीओ की नई दवा उम्मीद की किरण बनकर उभरी है। इस दवा का नाम 2-डीऑक्सि-डी-ग्लूकोज (2-डीजी) है। डीआरडीओ की यह दवा ऐसे समय में आई है, जब कोरोना की दूसरी लहर ने कोहराम मचा रखा है और तीसरी लहर की बात हो रही है। कोरोना की देसी दवा 2-डीजी पाउडर के रूप में पैकेट में आती है और इसे पानी में घोल कर पीना होता है। गौरतलब है कि रक्षा मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में बताया था कि कोविड-19 के माध्यम और गंभीर लक्षण वाले मरीजों पर इस दवा के आपातकालीन इस्तेमाल को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) की ओर से मंजूरी मिल चुकी है। आपको बता दें कि कोरोना के नए मामलों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए डीसीजीआई ने इस दवा के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी थी।

तौकते हुआ विनाशकारी, 5 राज्यों में अब तक 11 लोगों की मौत, शाम तक गुजरात पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली (आरएनएस)। चक्रवाती तूफान तौकते गोवा में तबाही मचाने के बाद अब गुजरात की ओर मुड़ चुका है और मौसम विभाग के मुताबिक आज शाम तक इसके गुजरात तट तक पहुंचने की संभावना है। साथ ही 18 मई की सुबह तूफान पोरबंदर और भावनगर जिले के महुआ के बीच से गुजरेगा। तूफान को लेकर सरकार की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर केंद्रीय गृहमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। मौसम विभाग पहले ही तूफान के और विनाशकारी रूप लेने का अनुमान जता चुका है। इसके लेकर कई राज्यों को अलर्ट पर रखा

गया है और एनडीएमए, कोस्ट गार्ड समेत अन्य राहत दलों ने मोर्चा संभाल लिया है।

अरब सागर से उठे चक्रवात तौकते से 5 राज्यों में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। गुजरात के तटीय इलाकों से करीब 1.5 लाख लोगों को शिफ्ट किया जा रहा है। तूफान मंगलवार सुबह पोरबंदर और महुवा (भावनगर) के बीच गुजरात के तट से टकरा सकता है। इस दौरान तूफान की गति 185 किलोमीटर प्रतिघंटे तक हो सकती है।

नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के डायरेक्टर जनरल एस एन प्रधान ने बताया है कि 7 जिलों में एनडीआरएफ की 100 से ज्यादा टीमें तैनात की गई हैं। तूफान का सबसे ज्यादा असर गुजरात पर दिख सकता है, इसलिए अकेले गुजरात में 50 टीमें तैनात हैं। चक्रवाती तूफान टाउते 18 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से मुंबई की ओर बढ़ रहा है। टाउते तूफान अभी मुंबई से करीब 200 किलोमीटर और गुजरात से 400 किलोमीटर दूर है। इस तूफान से निपटने के लिए मुंबई में एनडीआरएफ की तीन टीमों समेत पूरे महाराष्ट्र में 12 टीमें तैनात की गई हैं।

चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के लिए स्वतंत्र चयन समिति बनाने की मांग

» एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली (आरएनएस)। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के लिए स्वतंत्र चयन समिति का गठन करने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि इसमें कोई भी संदेह नहीं है कि चुनाव प्रक्रिया में शुद्धता लाने के लिए हमारे संविधान निर्माताओं का मकसद था कि चुनाव मुक्त और निष्पक्ष होना चाहिए। एक स्वतंत्र निकाय द्वारा चुनाव प्रक्रिया को अंजाम दिया जाना चाहिए।

इस याचिका में कहा गया है कार्यपालिका द्वारा चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति उठाओ और चुनो पर आधारित है, जो संविधान की अवधारणा के विपरीत है। एडीआर की ओर से दायर याचिका में कहा गया है लोकतंत्र, संविधान के मूलभूत ढांचे का अहम हिस्सा है और मुक्त व निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है।

ऐसे में चुनाव आयोग पर राजनीति या कार्यपालिका का कोई दखल नहीं होना चाहिए। याचिकाकर्ता संगठन ने गुहार लगाई है कि विधि आयोग की 255वीं रिपोर्ट में की गई सिफारिशों का पालन किया जाना चाहिए। बता दें कि विधि आयोग की इस रिपोर्ट में कहा गया था कि सभी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, राष्ट्रपति द्वारा तीन सदस्य कॉलेजियम की सलाह पर या स्वतंत्र चयन समिति द्वारा की जानी चाहिए।

रेल्वे ने आज 150 मीट्रिक टन ऑक्सीजन देश में पहुंचाने हेतु गुजरात से 2 ऑक्सीजन एक्सप्रेस की रवाना

नई दिल्ली (आरएनएस)। सभी बाधाओं को पार करते हुए और नए समाधानों को खोजने के साथ, भारतीय रेलवे देश भर के विभिन्न राज्यों में तरल चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति बनाए रखते हुए राहत पहुंचाने की अपनी यात्रा जारी रखे हुए है। अब तक, भारतीय रेलवे ने देश भर के विभिन्न राज्यों में 600 से अधिक टैंकरों में 10300 मीट्रिक टन से अधिक एलएमओ वितरित की है।

पिछले कुछ दिनों से ऑक्सीजन एक्सप्रेस हर दिन लगभग 800 मीट्रिक टन एलएमओ देश में पहुंचा रही है।

आने वाले चक्रवाती तूफान के बावजूद तेज हवाओं को मात देते हुए, रेलवे ने आज प्रातः गुजरात से 2 ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाई ताकि देश

को 150 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा सके।

वडोदरा से एक ऑक्सीजन एक्सप्रेस 2 आरओआरओ ट्रकों और 45 एमटी एलएमओ के साथ दिल्ली क्षेत्र में आपूर्ति के लिए सुबह 4 बजे रवाना हुई।

उत्तर प्रदेश और दिल्ली क्षेत्र में वितरण के लिए दूसरी ऑक्सीजन एक्सप्रेस 106 एमटी ऑक्सीजन सहायता से लदे 6 टैंकरों के साथ सुबह 5.30 बजे हापा से रवाना हुई।

बोकारो से पंजाब के लिए पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस भी आज शाम 7 बजे दो टैंकरों के साथ 41.07 मीट्रिक टन ऑक्सीजन राहत के साथ फिल्लौर पहुंचने के लिए तैयार है।

गौरतलब है कि ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने 23 दिन पहले 24 अप्रैल, 2021 को महाराष्ट्र में 126 मीट्रिक टन वितरण के साथ अपना सफर प्रारंभ किया था।

23 दिनों से कुछ अधिक के समय में ही, रेलवे ने 13 राज्यों को 10300 मीट्रिक टन से अधिक मेडिकल ऑक्सीजन देने के लिए अपने ऑक्सीजन एक्सप्रेस संचालन में वृद्धि की है।

देश भर में अपने संचालन को जारी रखते हुए, भारतीय रेलवे पश्चिम में हापा और मुंद्रा और पूर्व में राउरकेला, दुर्गापुर, टाटानगर, अंगुल जैसे स्थलों से ऑक्सीजन को प्राप्त करके फिर इसे उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु हरियाणा, तेलंगाना पंजाब, केरल, दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्यों में महत्वपूर्ण संचालन परिदृश्यों के मुताबिक आपूर्ति कर रहा है।

ऑक्सीजन राहत की आपूर्ति को कम से कम समय में पहुँचाने को सुनिश्चित करने के लिए कि रेलवे ऑक्सीजन एक्सप्रेस मालगाड़ियों के संचालन में नए मानक और अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल कर रहा है। लंबी दूरी के ज्यादातर मामलों में इन महत्वपूर्ण मालगाड़ियों की औसत गति 55 से ऊपर है। उच्च प्राथमिकता वाले ग्रीन कॉरिडोर पर दौड़ते हुए, उच्चतम अत्यावश्यकता के साथ, विभिन्न क्षेत्रों की परिचालन टीमें सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में चौबीसों घंटे काम कर रही हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऑक्सीजन सबसे तेज संभव समय सीमा में पहुंचे। विभिन्न खण्डों में रेलवे कर्मचारियों के बदलाव के लिए तकनीकी ठहराव को घटाकर 1 मिनट कर दिया गया है।

पटरियों को परिवहन मुक्त रखा जाता है और यह सुनिश्चित करने के लिए उच्च सतर्कता बरती जाती है कि ऑक्सीजन एक्सप्रेस निरंतर बिना रुके हुए आगे बढ़ती रहे।

यह सब इस तरह से किया जाता है कि अन्य माल ढुलाई की गति भी कम न हो।

उल्लेखनीय है कि अब तक लगभग 160 ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने अपनी यात्रा पूरी करते हुए विभिन्न राज्यों को राहत प्रदान की है।